

编者按：电影《焦裕禄》放映以来，引起观众极大反响，为使广大青年同志了解这位当年震动全国的好干部，我们将《解放军报》的这篇纪实删摘于后，以飨读者。

泪洒中原

——“焦裕禄”采写纪实

熊 熊

周原站起来去找手帕。1965年的一天，新华社副社长穆青去西安路过郑州，河南分社召集全体记者汇报工作。周原也在坐着，他只能坐着。谁汇报谁发言上面早就指定，轮不到摘帽右派。

“周原！我到河南来了，你为什么一言不发？”穆青“明知故问”，周原“受宠若惊”。他刚从豫北灾区采访回来，那里干部群众抗灾自救的动人事迹多着哩，正愁没人听他讲。

穆青听得津津有味。末了说：“现在的时候，如果我们的记者不到灾区去和人民共呼吸，那就不是称职的好记者。”

当晚，分社领导告诉周原，穆青临走时交待，叫周原在10天内，找一个采访对象，选好一篇文章题目，拟好一个采访计划。10天后穆青再到郑州来。

“具体写什么？”“灾区！”

河南到处有灾区。豫北去过了，穆青也听过，看来没有十分中意的选题。

那就往东。

天麻麻亮。周原跑到长途汽车站，见有辆车要开，噌地跳了上去。

车开出半晌，他才请教售票员：“这趟车开到啥地方？”

“兰考！”

周原走进兰考县委大院。

迎面碰上县委新闻秘书刘俊生，一把将他拽进办公室。没有客套也没寒暄，张口就说一个人。

谁？焦裕禄！

他做记者也有年头了，可从来没见过眼前这情景：一个县委普通干事，谈起一位已经去世的县委领导，居然会伤心得像个孩子呜呜哭。“……那晚大风雪，我看见焦书记倚在门口发呆。兰考人的安危冷暖搅得他一夜没合眼。大清早他挨门把我们干部叫醒。干啥？他说快去看看老百姓。那天，焦书记硬是忍着病痛，在没膝的雪地里转了9个村。

“……暴雨下了七天七夜，焦书记一刻不停，打着伞在大水渠来去，到了吃饭的时候，村干部张罗要给他派饭。焦书记吃过了灾民讨来的‘百家饭’，喝过社员家的野菜汤，可这回说啥不端碗。为啥？他说：‘下雨天，群众缺烧了。’

“……焦书记家里的被子烂得不行了翻过来盖。县里补助他3斤棉花票，他说群众比他更困难。”

“……后来他得了肝癌，在病床上还念叨，张庄的沙丘、老韩陵的泡桐树。临死前还要我们去拿把盐碱地上的麦穗给他看一眼。”

……就在他的办公室里，刘俊生珍藏着3件焦裕禄的遗物：一双旧棉鞋，一双破袜子，还有一把藤椅。

“老天爷呀，你咋不睁眼？下大雨变成米面油盐；河神爷呀，你咋不睁眼？发大水年年毁我家园……”

民歌道出了河南百姓对天灾的责怨、无奈和心中的祈望。风沙、水涝、盐碱逼着兰考人年年离乡背井逃荒要饭。1962年12月，这块贫脊的土地又遇特大灾荒。正当县委一拨人各找门路纷纷要求调离时，焦裕禄奉命来到兰考任县委第二书记。

“迎接”他的是噪雀一般蜂涌抢食衣衫褴褛的小乞丐。

新上任的焦书记把怨天尤人的县委们从会议桌旁拉到火车站。寒风凛冽大雪纷飞中，黑鸦鸦一片逃生的灾民，站台上堆积如山的救灾物资风吹雨打八天却无人过问。心情激愤的焦裕禄命令全体县政府干部参加分发救灾物资的劳动，并提议取消县委干部的特需供应卡。此举触怒了负责救灾物资的副书记吴荣先。

园场老场长的劳累致死极大地震动了焦裕禄。为保护第一线干部的生命，他顶着犯错误的风险从邻

那天藤椅后来很出名，因为上面有个洞。焦裕禄带病工作，痛时常用硬物顶住肝部。天长日久，藤椅便破了个窟窿。

这天，周原正巧是坐在这把藤椅上，写下了他的第一页采访笔记。

焦裕禄的事，讲得最详尽最生动的是张县长。张县长一口气讲了18个小时。周原记了一天一夜，哭了一天一夜。

第10天周原赶回郑州。

穆青已经在等他了。

风风火火10天。然而晚了。同事们告诉周原，半年前河南日报已经发表过焦裕禄事迹的长篇报道，新华社记者也去过兰考，稿子登在一年前的人民日报。

记者最忌个“晚”字。“焦裕禄”还能打动穆青吗？然而穆青说：“周原你带路，在哪留住哪跑，我跟你走！”

机会来了。既然跟我走，那么其他地方点个卯，把时间留在最后，把兰考定在终点。周原确信：兰考人一定能“征服”穆青。

果然，最后一站到兰考。穆青、冯健、周原还有另外两名记者，风尘仆仆开进了兰考城。张县长见这阵势有些发毛，问周原：“谈什么？”

“焦裕禄。”

“怎么谈呢？”

“是啥说啥，一句不要夸大。”

讲焦裕禄还用渲染夸大？字字情，声声泪。听着听着，穆青就哭了。

有关焦裕禄的事情太多了，在后来写成的那篇通讯里装也装不下。比如：焦裕禄住院的消息传开后，四乡八村的老百姓涌到县委，都来问焦书记住在哪家医院，非要到病房里去看看他。县里干部劝也不听，东村刚走，西庄的又来了。后来焦裕禄的遗体运回兰考，那场面真叫人心碎。老百姓扑在他的墓上，手抠进坟头的黄土里，哭天哭地喊：回来呀回来……会议室里的记者们，哭得泪人儿一般。

中午，谁也没有动筷子。

下午继续。更不行，伤心得连钢笔都捏不住。

晚饭摆好了，又凉了，咽不下。

第二天接着谈。开始都还强作镇静，不一会全散了架。县长哭，穆青哭，在场的没有一个坐得稳……

干脆休会，不说了。

半小时后，周原到招待所穆青的房间里去，穆青刚打完电话，回头看见周原，劈头就是一声喝：“立即把他写出来！”

“谁写？”周原问。

“你写！”

周原至今不忘，当时穆青还说了一句话：“干群关系到了这个程度，我们再笨，只要把事情写出来，一定能感动人民。”

在兰考是没法写稿，泪珠子抹也抹不干，不得不转移到开封。

四位记者各把一头，写通讯、配评论、社论。四个人四间屋，没日没夜。周原回忆道：“那几天穆青也不睡，他像个严厉的‘监工’，不停地走，这屋转转那屋看看。”记得一次穆青走到周的屋里，顺手拿起一页刚写出的稿纸，当看到“他心里装着全体人民，唯独没有他自己”这句话时，击案叫好：“这样的话多来两句。”

一万两千字的初稿，周原挥泪一气哈成。穆青看罢——摇头。

泪太多了。悲而不壮。

必须修改。于是周原留在河南待命，穆青、冯健带着初稿返回北京。

说修改，不如说重砌炉灶。

改了又改，呕心沥血。写不好焦裕禄，对不起兰考父老。常常为推敲一个字甚至一个标点，穆青同冯健争得面红耳赤。

一直改到第九稿，穆、冯这才满意。稿子迅速传回河南，请周原再赴兰考核实。这

我是当作任务去看峨影新片《焦裕禄》的，连我自己也没有想到，这个我从小学时就熟悉的故事仍使中年的我激动不已，不肯轻弹的泪水在眼眶里转了又转，怕别人看见硬是又顶了回去，四顾周围，才发现动情者非我一人，那眼睛里闪亮的分明是观众对党的真情的流露，也是对焦裕禄这样党的好干部的由衷渴望。

久违了，弘扬浩然正气的动情影片。

是什么情，不是《妈妈再爱我一次》的母子之情，也不是《星星知我心》里的同胞之情，而是我们党在长期的革命斗争中与人民结下的鱼水之情。这种情让人怦然心动，让人回肠荡气，也让人潸然泪下。

影片开头，万人送葬，哀乐低回，撕人心肺。古人常说盖棺定论，那遮天蔽日的招魂幡、那随风飘荡的纸钱，这种古老的丧葬仪式传递着兰考36万人民对焦裕禄的肯定。随着沙土掩盖棺木的“呼呼”响声，送葬队伍齐齐刷刷跪倒在地，观众的泪水也随之涌而出。这种抒情方式是有些让人难以接受，但谁也能想象出兰考人除此之外又能怎样看着自己的“父母”官被埋入地下呢？

动情之二：治“三害”需要技术。小魏，这个从小吃惯大米的南方书生咽不下兰考的窝头，不堪

不要夸大。”

讲焦裕禄还用渲染夸大？字字情，声声泪。听着听着，穆青就哭了。

有关焦裕禄的事情太多了，在后来写成的那篇通讯里装也装不下。比如：焦裕禄住院的消息传开后，四乡八村的老百姓涌到县委，都来问焦书记住在哪家医院，非要到病房里去看看他。县里干部劝也不听，东村刚走，西庄的又来了。后来焦裕禄的遗体运回兰考，那场面真叫人心碎。老百姓扑在他的墓上，手抠进坟头的黄土里，哭天哭地喊：回来呀回来……会议室里的记者们，哭得泪人儿一般。

中午，谁也没有动筷子。

下午继续。更不行，伤心得连钢笔都捏不住。

晚饭摆好了，又凉了，咽不下。

第二天接着谈。开始都还强作镇静，不一会全散了架。县长哭，穆青哭，在场的没有一个坐得稳……

干脆休会，不说了。

半小时后，周原到招待所穆青的房间里去，穆青刚打完电话，回头看见周原，劈头就是一声喝：“立即把他写出来！”

“谁写？”周原问。

“你写！”

周原至今不忘，当时穆青还说了一句话：“干群关系到了这个程度，我们再笨，只要把事情写出来，一定能感动人民。”

在兰考是没法写稿，泪珠子抹也抹不干，不得不转移到开封。

四位记者各把一头，写通讯、配评论、社论。四个人四间屋，没日没夜。周原回忆道：“那几天穆青也不睡，他像个严厉的‘监工’，不停地走，这屋转转那屋看看。”记得一次穆青走到周的屋里，顺手拿起一页刚写出的稿纸，当看到“他心里装着全体人民，唯独没有他自己”这句话时，击案叫好：“这样的话多来两句。”

一万两千字的初稿，周原挥泪一气哈成。穆青看罢——摇头。

泪太多了。悲而不壮。

必须修改。于是周原留在河南待命，穆青、冯健带着初稿返回北京。

说修改，不如说重砌炉灶。

改了又改，呕心沥血。写不好焦裕禄，对不起兰考父老。常常为推敲一个字甚至一个标点，穆青同冯健争得面红耳赤。

一直改到第九稿，穆、冯这才满意。稿子迅速传回河南，请周原再赴兰考核实。这

时候周原发现，他的初稿已经“无影无踪”，除了基本素材，只字未改的原话似乎只剩下一句，就是穆青击案叫好的那句话：“他心里装着全体人民，唯独没有他自己。”

1966年2月7日清晨。北京。中央人民广播电台录音室里，气氛异常。

长篇通讯《县委书记的榜样——焦裕禄》上午就要播出，可是录音制作却遇到了前所未有的“障碍”：稿子还没念到一半，中国“头牌”播音员齐越已经泣不成声……

中断。中断。录音一次又一次不得不中断。到后来连录音编辑都挺不住了，趴在操作台上长哭不起。

闻讯赶来的几十位播音员、电台干部肃立在录音室的窗外，静静地看、默默地听、悄悄地擦眼泪。终于，齐越念到最后一句：“焦裕禄……你没死，你将永远活在千万人的心里！”

千千万万人听到了，千千万万颗心震颤了，山河动容，泪飞顿作倾盆雨……

这天上午，一个伟大的名字传遍了全国。

荡气回肠的真情

电影《焦裕禄》观后感



刊头设计 刘靖宇
本版编辑 冯瑜

三四零二厂厂歌

苗克义 词 集体创作 曲

怀着对祖国的一腔赤诚，肩负着国防现代化的使命，用我们的智慧和汗水，铸成那四化的号角已吹响，鼓

3 5 | 6 7 | 1 2 | 3 4 | 5 6 | 7 8 | 9 10 | 11 12 | 13 14 | 15 16 | 17 18 | 19 20 | 21 22 | 23 24 | 25 26 | 27 28 | 29 30 | 31 32 | 33 34 | 35 36 | 37 38 | 39 40 | 41 42 | 43 44 | 45 46 | 47 48 | 49 50 | 51 52 | 53 54 | 55 56 | 57 58 | 59 60 | 61 62 | 63 64 | 65 66 | 67 68 | 69 70 | 71 72 | 73 74 | 75 76 | 77 78 | 79 80 | 81 82 | 83 84 | 85 86 | 87 88 | 89 90 | 91 92 | 93 94 | 95 96 | 97 98 | 99 100 | 101 102 | 103 104 | 105 106 | 107 108 | 109 110 | 111 112 | 113 114 | 115 116 | 117 118 | 119 120 | 121 122 | 123 124 | 125 126 | 127 128 | 129 130 | 131 132 | 133 134 | 135 136 | 137 138 | 139 140 | 141 142 | 143 144 | 145 146 | 147 148 | 149 150 | 151 152 | 153 154 | 155 156 | 157 158 | 159 160 | 161 162 | 163 164 | 165 166 | 167 168 | 169 170 | 171 172 | 173 174 | 175 176 | 177 178 | 179 180 | 181 182 | 183 184 | 185 186 | 187 188 | 189 190 | 191 192 | 193 194 | 195 196 | 197 198 | 199 200 | 201 202 | 203 204 | 205 206 | 207 208 | 209 210 | 211 212 | 213 214 | 215 216 | 217 218 | 219 220 | 221 222 | 223 224 | 225 226 | 227 228 | 229 230 | 231 232 | 233 234 | 235 236 | 237 238 | 239 240 | 241 242 | 243 244 | 245 246 | 247 248 | 249 250 | 251 252 | 253 254 | 255 256 | 257 258 | 259 260 | 261 262 | 263 264 | 265 266 | 267 268 | 269 270 | 271 272 | 273 274 | 275 276 | 277 278 | 279 280 | 281 282 | 283 284 | 285 286 | 287 288 | 289 290 | 291 292 | 293 294 | 295 296 | 297 298 | 299 300 | 301 302 | 303 304 | 305 306 | 307 308 | 309 310 | 311 312 | 313 314 | 315 316 | 317 318 | 319 320 | 321 322 | 323 324 | 325 326 | 327 328 | 329 330 | 331 332 | 333 334 | 335 336 | 337 338 | 339 340 | 341 342 | 343 344 | 345 346 | 347 348 | 349 350 | 351 352 | 353 354 | 355 356 | 357 358 | 359 360 | 361 362 | 363 364 | 365 366 | 367 368 | 369 370 | 371 372 | 373 374 | 375 376 | 377 378 | 379 380 | 381 382 | 383 384 | 385 386 | 387 388 | 389 390 | 391 392 | 393 394 | 395 396 | 397 398 | 399 400 | 401 402 | 403 404 | 405 406 | 407 408 | 409 410 | 411 412 | 413 414 | 415 416 | 417 418 | 419 420 | 421 422 | 423 424 | 425 426 | 427 428 | 429 430 | 431 432 | 433 434 | 435 436 | 437 438 | 439 440 | 441 442 | 443 444 | 445 446 | 447 448 | 449 450 | 451 452 | 453 454 | 455 456 | 457 458 | 459 460 | 461 462 | 463 464 | 465 466 | 467 468 | 469 470 | 471 472 | 473 474 | 475 476 | 477 478 | 479 480 | 481 482 | 483 484 | 485 486 | 487 488 | 489 490 | 491 492 | 493 494 | 495 496 | 497 498 | 499 500 | 501 502 | 503 504 | 505 506 | 507 508 | 509 510 | 511 512 | 513 514 | 515 516 | 517 518 | 519 520 | 521 522 | 523 524 | 525 526 | 527 528 | 529 530 | 531 532 | 533 534 | 535 536 | 537 538 | 539 540 | 541 542 | 543 544 | 545 546 | 547 548 | 549 550 | 551 552 | 553 554 | 555 556 | 557 558 | 559 560 | 561 562 | 563 564 | 565 566 | 567 568 | 569 570 | 571 572 | 573 574 | 575 576 | 577 578 | 579 580 | 581 582 | 583 584 | 585 586 | 587 588 | 589 590 | 591 592 | 593 594 | 595 596 | 597 598 | 599 600 | 601 602 | 603 604 | 605 606 | 607 608 | 609 610 | 611 612 | 613 614 | 615 616 | 617 618 | 619 620 | 621 622 | 623 624 | 625 626 | 627 628 | 629 630 | 631 632 | 633 634 | 635 636 | 637 638 | 639 640 | 641 642 | 643 644 | 645 646 | 647 648 | 649 650 | 651 652 | 653 654 | 655 656 | 657 658 | 659 660 | 661 662 | 663 664 | 665 666 | 667 668 | 669 670 | 671 672 | 673 674 | 675 676 | 677 678 | 679 680 | 681 682 | 683 684 | 685 686 | 687 688 | 689 690 | 691 692 | 693 694 | 695 696 | 697 698 | 699 700 | 701 702 | 703 704 | 705 706 | 707 708 | 709 710 | 711 712 | 713 714 | 715 716 | 717 718 | 719 720 | 721 722 | 723 724 | 725 726 | 727 728 | 729 730 | 731 732 | 733 734 | 735 736 | 737 738 | 739 740 | 741 742 | 743 744 | 745 746 | 747 748 | 749 750 | 751 752 | 753 754 | 755 756 | 757 758 | 759 760 | 761 762 | 763 764 | 765 766 | 767 768 | 769 770 | 771 772 | 773 774 | 775 776 | 777 778 | 779 780 | 781 782 | 783 784 | 785 786 | 787 788 | 789 790 | 791 792 | 793 794 | 795 796 | 797 798 | 799 800 | 801 802 | 803 804 | 805 806 | 807 808 | 809 810 | 811 812 | 813 814 | 815 816 | 817 818 | 819 820 | 821 822 | 823 824 | 825 826 | 827 828 | 829 830 | 831 832 | 833 834 | 835 836 | 837 838 | 839 840 | 841 842 | 843 844 | 845 846 | 847 848 | 849 850 | 851 852 | 853 854 | 855 856 | 857 858 | 859 860 | 861 862 | 863 864 | 865 866 | 867 868 | 869 870 | 871 872 | 873 874 | 875 876 | 877 878 | 879 880 | 881 882 | 883 884 | 885 886 | 887 888 | 889 890 | 891 892 | 893 894 | 895 896 | 897 898 | 899 900 | 901 902 | 903 904 | 905 906 | 907 908 | 909 910 | 911 912 | 913 914 | 915 916 | 917 918 | 919 920 | 921 922 | 923 924 | 925 926 | 927 928 | 929 930 | 931 932 | 933 934 | 935 936 | 937 938 | 939 940 | 941 942 | 943 944 | 945 946 | 947 948 | 949 950 | 951 952 | 953 954 | 955 956 | 957 958 | 959 960 | 961 962 | 963 964 | 965 966 | 967 968 | 969 970 | 971 972 | 973 974 | 975 976 | 977 978 | 979 980 | 981 982 | 983 984 | 985 986 | 987 988 | 989 990 | 991 992 | 993 994 | 995 996 | 997 998 | 999 1000 | 1001 1002 | 1003 1004 | 1005 1006 | 1007 1008 | 1009 1010 | 1011 1012 | 1013 1014 | 1015 1016 | 1017 1018 | 1019 1020 | 1021 1022 | 1023 1024 | 1025 1026 | 1027 1028 | 1029 1030 | 1031 1032 | 1033 1034 | 1035 1036 | 1037 1038 | 1039 1040 | 1041 1042 | 1043 1044 | 1045 1046 | 1047 1048 | 1049 1050 | 1051 1052 | 1053 1054 | 1055 1056 | 1057 1058 | 1059 1060 | 1061 1062 | 1063 1064 | 1065 1066 | 1067 1068 | 1069 1070 | 1071 1072 | 1073 1074 | 1075 1076 | 1077 1078 | 1079 1080 | 1081 1082 | 1083 1084 | 1085 1086 | 1087 1088 | 1089 1090 | 1091 1092 | 1093 1094 | 1095 1096 | 1097 1098 | 1099 1100 | 1101 1102 | 1103 1104 | 1105 1106 | 1107 1108 | 1109 1110 | 1111 1112 | 1113 1114 | 1115 1116 | 1117 1118 | 1119 1120 | 1121 1122 | 1123 1124 | 1125 1126 | 1127 1128 | 1129 1130 | 1131 1132 | 1133 1134 | 1135 1136 | 1137 1138 | 1139 1140 | 1141 1142 | 1143 1144 | 1145 1146 | 1147 1148 | 1149 1150 | 1151 1152 | 1153 1154 | 1155 1156 | 1157 1158 | 1159 1160 | 1161 1162 | 1163 1164 | 1165 1166 | 1167 1168 | 1169 1170 | 1171 1172 | 1173 1174 | 1175 1176 | 1177 1178 | 1179 1180 | 1181 1182 | 1183 1184 | 1185 1186 | 1187 1188 | 1189 1190 | 1191 1192 | 1193 1194 | 1195 1196 | 1197 1198 | 1199 1200 | 1201 1202 | 1203 1204 | 1205 1206 | 1207 1208 | 1209 1210 | 1211 1212 | 1213 1214 | 1215 1216 | 1217 1218 | 1219 1220 | 1221 1222 | 1223 1224 | 1225 1226 | 1227 1228 | 1229 1230 | 1231 1232 | 1233 1234 | 1235 1236 | 1237 1238 | 1239 1240 | 1241 1242 | 1243 1244 | 1245 1246 | 1247 1248 | 1249 1250 | 1251 1252 | 1253 1254 | 1255 1256 | 1257 1258 | 1259 1260 | 1261 1262 | 1263 1264 | 1265 1266 | 1267 1268 | 1269 1270 | 1271 1272 | 1273 1274 | 1275 1276 | 1277 1278 | 1279 1280 | 1281 1282 | 1283 1284 | 1285 1286 | 1287 1288 | 1289 1290 | 1291 1292 | 1293 1294 | 1295 1296 | 1297 1298 | 1299 1300 | 1301 1302 | 1303 1304 | 1305 1306 | 1307 1308 | 1309 1310 | 1311 1312 | 1313 1314 | 1315 1316 | 1317 1318 | 1319 1320 | 1321 1322 | 1323 1324 | 1325 1326 | 1327 1328 | 1329 1330 | 1331 133